चलना है घर वापस - यही ज्ञान का सार

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
1. अमृतवेले का योग शक्तिशाली रहा?																															
2. व्यर्थ से सदा मुक्त समर्थ स्थिति में रहे?																															
3. दिन में 21 बार अशरीरीपन का अनुभव किया?																															
4. कर्म करते कर्मयोगी स्थिति रही?																															
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया?																															

नये स्वमान

ब्रह्मामुख वंशावली ब्राह्मणों का पुरुषार्थ

बार-बार अशरीरी बनने की प्रैक्टिस, आत्मिक स्थिति व आत्मिक दृष्टि से देखने की आदत,
देह में रहते विदेही स्थिति की टेव, बापदादा के वरदानी हाथों को अपने सिर पर घुमाने की अनुभूति,
दु:खी-अशान्त-रोगी-भटकती-तड़फती आत्माओं को सकाश, पवित्र वायब्रेशन फैलाकर वायुमण्डल को शक्तिशाली बनाना।

अगस्त 2019 के अनुभवयुक्त योगाभ्यास

01. मैं परमात्म शक्तियों का महायज्ञ हूँ।
02. मैं परमात्म शक्तियों का सूर्य हूँ।
03. मैं परमात्म शक्तियों की ज्वाला हूँ।
04. मैं परमात्म शक्तियों की धधकती हुई अग्नि हूँ।
05. मैं परमात्म शक्तियों की जलती हुई मशाल हूँ।
06. मैं परमात्म शक्तियों का जगमगाता हुआ पुंज हूँ।
07. मैं परमात्म शक्तियों का पावरहाउस हूँ।
08. मैं परमात्म शक्तियों की चमकती हुई मणि हूँ।
09. मैं परमात्म शक्तियों की चैतन्य मूर्ति हूँ।
10. मैं परमात्म शक्तियों का लाइट हाउस हूँ।
11. मैं परमात्म शक्तियों की बहती हुई गंगा हूँ।
12. मैं परमात्म शक्तियों का बेहद का भण्डार हूँ।
13. मैं परमात्म शक्तियों की प्रचण्ड ऊर्जा हूँ।
14. मैं परमात्म शक्तियों का निरंतर बहता झरना हूँ।
15. मैं परमात्म शक्तियों का जगमगाता सितारा हूँ।
16. मैं परमात्म शक्तियों की छत्रछाया हूँ।
17. मैं परमात्म शक्तियों का माइट हाउस हूँ।
18. मैं परमात्म शक्तियों की लाइट का गोला हूँ।
19. मैं परमात्म शक्तियों का अविनाशी खजाना हूँ।
20. मैं परमात्म शक्तियों की अखुट खान हूँ।
21. मैं परमात्म शक्तियों का खुला आकाश हूँ।
22. मैं परमात्म शक्तियों का वरदाता हूँ।
23. मैं परमात्म शक्तियों का चमकता हीरा हूँ।
24. मैं परमात्म शक्तियों का ज्ञान मान सरोवर हूँ।
25. मैं परमात्म शक्तियों का ईष्टदेव/ईष्टदेवी हूँ।
26. मैं परमात्म शक्तियों का फायरब्रिगेड हूँ।
27. मैं परमात्म शक्तियों का सागर हूँ।
28. मैं परमात्म शक्तियों का अवतार हूँ।
29. मैं परमात्म शक्तियों का निरन्तर दानी हूँ।
30 .मैं परमात्म शक्तियों का स्तंभ हूँ।
31. मैं परमात्म शक्तियों का फैलता हुआ प्रकाश हूँ।

ओम् शान्ति